No. of Printed Pages : 8

MEC-007

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

June, 2023

MEC-007 : INTERNATIONAL TRADE AND FINANCE

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each Section as per instructions given.*

Section—A

Note : *Answer any* ***two*** *questions from this Section.*

2×20=40

1. Explain briefly the salient features of Heckscher-Ohlin model of international trade. Also explain the relevance of this model in the present global environment.

2. Examine the role of WTO as a regulator of global multilateral trade. Discuss the major issues of concern for the organization.

3. Briefly define the relation of budget deficits and public external debt. Also explain the role of IMF in the management of external debt.

4. With reference to International trade theory, explain the following :

   (a) Leontief Paradox
   (b) Product Life Cycle
   (c) Rybczynski Theorem
   (d) Gravity Model of Trade

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section.* 5×12=60

5. Distinguish between import duty and quota. What justifications would you give for prefering tariffs over quotas.

6. Critically evaluate the purchasing power parity theory of the exchange rate determination.

7. Distinguish between nominal and effective rate of protection ? Explain usefulness of the concept of effective rate of protection.

8. Examine the major changes in the structure of India's foreign trade during the last two decades. Also examine the need for further diversification in this structure.

9. Distinguish between trade creation and trade diversion effects of regional trading blocks. "Trade creation is always welfare increasing while trade diversion may be welfare reducing." Explain.

10. Define the term Balance of Payments (BOP). Explain the autonomous and accommodating items in the capital account of the Balance of Payments.

11. Write short notes any ***two*** on the following :

    (a) Flexible system of exchange rate determination

    (b) International Monetary Fund.

    (c) Convertibility of Rupee

    (d) Emerging new trends in globalisation

MEC-007

एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.ई.सी.-007 : अन्तर्राष्ट्रोय व्यापार एवं वित्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग में से प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।*

भाग—क

नोट : *इस भाग में से किन्हीं* **दो** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

2×20=40

1. अन्तर्राष्ट्रोय व्यापार के हेक्सर-ओहलिन प्रतिमान की मुख्य विशेषताओं की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। वर्तमान वैश्विक पर्यावरण में इस प्रतिमान का औचित्य (महत्व) भी समझाइए।

2. वैश्विक बहुपक्षीय व्यापार के नियामक के रूप में WTO (विश्व व्यापार संगठन) की भूमिका की जाँच कीजिए। संगठन के लिए चिन्ता के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

3. बजट घाटा और सार्वजनिक बाह्य ऋण के सम्बन्ध को संक्षेप में परिभाषित कीजिए। बाह्य ऋण के प्रबन्धन में IMF की भूमिका की भी व्याख्या कीजिए।

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त के सन्दर्भ में निम्न को व्याख्यित कीजिए :

   (अ) लियोन्टीफ विरोधाभास

   (ब) उत्पाद जीवन चक्र

   (स) रेबजींसकी प्रमेय

   (द) व्यापार का गुरुत्वाकर्षण मॉडल

भाग—ख

नोट : *इस भाग में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$5 \times 12 = 60$

5. आयात शुल्क और आयात कोटा के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। कोटा से अधिक आयात शुल्क को प्राथमिकता देने के लिए आप क्या औचित्य देंग ?

6. विनिमय दर निर्धारण के क्रय शक्ति समता सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. संरक्षण की मौद्रिक और प्रभावी दर के बीच अन्तर कीजिए। संरक्षण की प्रभावी दर की अवधारणा की उपयोगिता भी स्पष्ट कीजिए।

8. पिछले दो दशकों में भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की संरचना में हुए मुख्य परिवर्तनों का परीक्षण कीजिए। इस संरचना में आगे विवधीकरण की आवश्यकता भी जाँचिए।

9. क्षेत्रीय व्यापार खंड के व्यापार सृजन और व्यापार परिवर्तन प्रभाव के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। "व्यापार सृजन हमेशा कल्याण को बढ़ाता है, जबकि व्यापार परिवर्तन कल्याण को कम कर सकता है।" स्पष्ट कीजिए।

10. भुगतान शेष शब्द की परिभाषा दीजिए। भुगतान शेष के पूँजी खाते के स्वायत्त एवं समायोजक मदों की व्याख्या कीजिए।

11. निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विनिमय दर निर्धारण की लोचशील प्रणाली

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

(ग) रुपये की परिवर्तनीयता

(घ) वैश्वीकरण में उभरते नए रुझान